स्टेटस रिपोर्ट | एनएचएआई ने निर्माण एजेंसी के लिए समय सीमा मार्च 2025 तय की, एयरपोर्ट से आगे किसान पथ से भी जोड़ा जाएगा एक्सप्रेस वे

चार माह पहले ही तैयार हो जाएगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता।
लखनऊ-कानपुर के बीच सड़क मार्ग से सफर करने वालों के लिए राहत भरी खबर है। दो वर्ष से एलिवेटेड रोड और ग्रीन फील्ड रूट का 75 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। तय समय सीमा से चार माह पहले ही लखनऊ-कानपुर रोड पर बन रहा एक्सप्रेस वे बनकर तैयार हो जाएगा। इस संबंध में बीते दिनों भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अफसरों के साथ बैठक करके तय समय सीमा जुलाई 2025 के बजाए मार्च 2025 तक निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया है।

02 हिस्से में बन रहे 62 किमी के एक्सप्रेस वे का 75 फीसदी काम पूरा

45 मिनट में कानपुर तक सफर, ग्रीन फील्ड के रूप में विकसित होगा

> लखनऊ-कानपुर के बीच बन रहे एलिवेटेट और ग्रीन फील्ड रूट पर निर्माण कार्य में तेजी लाए जाने के निर्देश निर्माण एजेंसी को दिए हैं। उम्मीद है कि निर्माण कार्य समय से चार माह पहले अगले वर्ष मार्च माह में ही पूरा कर लिया जाएगा। इसी लक्ष्य से निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है।
>
> **सौरभ कन्नौजिया**, परियोजना निदेशक, एनएचएआई, लखनऊ

लखनऊ रिंग रोड से जोड़ा जाएगा

मुख्य मार्ग पर वाहनों का ट्रैफिक कम करने के लिए लखनऊ कानपुर-एक्सप्रेस वे को लखनऊ रिंग रोड से जोड़ा जाएगा। यह एक्सप्रेस वे लखनऊ में शहीद पथ से शुरू होते हुए बंथरा, बनी के जरिए कानपुर जुड़ेगा।

120 की रफ्तार से फर्राटा भर सकेंगे वाहन

बनी से उन्नाव तक 45 किलोमीटर लंबी 6 लेन की सड़क बनेगी। इस पर अधिकतम 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से वाहन दौड़ सकेंगे। एक्सप्रेसवे के निर्माण की योजना की शुरुआत से इस इलाके में औद्योगिक विकास को रफ्तार मिलेगी।

लखनऊ के इन गांवों से गुजरेगा एक्सप्रेस वे

लखनऊ के 14 गांव लिंक होंगे। इन गांवों के रास्तों से एक्सप्रेस वे गुजरेगा। इनमें अमौसी, बनी, बंथरा, सिकंदरपुर, बेहसा, फरुखाबाद, चिल्लावां, गेहरू, गौरी, खांडेदेव, मीरनपुर पिनवट, नटकुर और सराय शहजारी गांव शामिल हैं।

18 किमी एलिवेटेड, 45 किमी ग्रीनफील्ड

कुल 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे में 18 किमी एलिवेटेड रूट बन रहा है। बाकी 45 किलोमीटर ग्रीन फील्ड पर नया रूट तैयार किया जा रहा है। इस पर तीन बड़े पुल, 28 छोटे पुल, 38 अंडरपास बनेंगे।

निर्माण कार्य पर 4700 करोड़ का खर्चा

इस पूरे प्रोजेक्ट को भारतमाला परियोजना के तहत बनाया जा रहा है। इस पर कुल 4700 करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च आएगा। एलिवेटेड रोड के लिए खास तकनीक से गर्डर बनाए जा रहे हैं।